B.A Part III (H) Philosophy

डॉ० अनीताकुमारी गुप्ता
जे०के० कॉलेज बिरौल दरभंगा

वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तरी

1. भारतीय नीतिशास्त्र में नैतिक कर्तव्य किसके प्रति करने को बतलाया गया है?

Ans. सभी के प्रति

2. "जो शास्त्र व्यक्ति और समाज को कुमार्ग से सुमार्ग की ओर ले जाय वही नीतिशास्त्र है" यह किसने कहा था?

Ans - शुक्राचार्य

3. किसमें नीतिशास्त्र को श्रेय अर्थात शुभ को प्राप्त करने का साधन बताया गया है।

Ans - नीतिमंजरी में

4. भारतीय नीतिशास्त्र के अनुसार इनमें कौन सा कर्म मनुष्य का है?

Ans - प्रारब्ध कर्म एवं संचितकर्म

5. वह कौन सा कर्म है जो पूर्वजन्म में जमा थे और जिसका फल अभी मिल रहा है।

Ans. प्रारब्ध कर्म, संचितकर्म एवं क्रियामाणकर्म

6. वह कौन सा कर्म है जो मनुष्य के हिस्से में जमा है पर इसका फल अभी मिल नहीं रहा है।

Ans - संचित कर्म

7. वह कौन सा कर्म है जिसका कर्मफल अभी तैयार हो रहा है?

Ans. क्रियामाणकर्म

8. वेद में 'ऋत' का क्या अर्थ है?

Ans. मनुष्य के नैतिक कर्म का मार्ग

9. सूर्य, चन्द्रमा, प्रकृति दिन और रात किसके कारण व्यवस्थित होते हैं?

Ans. ऋत

10. वेद में किसे 'ऋतस्य-गोप' कहा गया है?

Ans. वरुण

11. इनमें से कौन भारतीय नीतिशास्त्र के अनुसार पुरुषार्थ कहलाते हैं?

Ans. अर्थ, धर्म, काम और मोक्ष

12. किसने कहा था कि :- जिससे अभ्युदय और निःश्रेयस की प्राप्ति हो, वह धर्म है?

Ans. कणाद